http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 142

प्रयागराज शुक्रवार 07 फरवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

2027 में लॉन्च होगा चंद्रयान-4

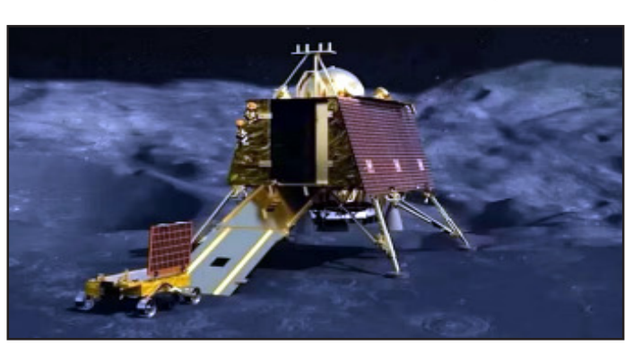

● पृथ्वी पर लाए जाएंगे चंद्रमा की चट्टानों के नमूने

नई दिल्ली,(एजेंसी)। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने चंद्रयान मिशन 4 को 2027 में लॉन्च किया जाएगा। इस मिशन के जरिये चंद्रमा की चट्टानों के नमूने पृथ्वी पर लाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि चंद्रयान 4 में उच्च क्षमता के एलवीएम 3 रॉकेट दो अलग-अलग प्रक्षेपण के बाद पांच अलग-अलग घटकों को लेकर कक्षा में जाएंगे। इनको पृथ्वी की कक्षा में इकट्ठा किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चंद्रयान 4 मिशन का उद्देश्य चंद्रमा की सतह से नमूने इकट्ठे करके उनको पृथ्वी पर वापस लाना है। गगनयान मिशन को अगले साल लॉन्च किया जाएगा। इसमें भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को विशेष यान से अंतरिक्ष की पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजा जाएगा और उन्हें सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि साल 2026 में भारत समुद्रयान का भी प्रक्षेपण करेगा। इसमें समुद्र तल में खोज करने के लिए तीन वैज्ञानिक एक पनडुब्बी के जरिये छह हजार मीटर की गहराई में जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि गगनयान अंतरिक्ष मिशन सहित भारत के ऐतिहासिक मिशनों की समयसीमा को तय करेगी। पीएम मोदी ने भी स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में समुद्रयान मिशन के बारे में बताया था। समुद्रयान के बारे में बताया केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि समुद्रयान के जरिये महत्वपूर्ण खनिजों, दुर्लभ धातुओं और अज्ञात समुद्री जैव विविधताओं की जानकारी जुटाई जाएगी। गगनयान परियोजना का मानव रहित मिशन भी इसी साल भेजा जाएगा। इसमें रोबोट व्योम मित्र शामिल है। बुनियादी ढांचे में हो रहा विस्तार केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसरो की स्थापना 1969 में की गई थी। लेकिन 1993 तक पहला लॉन्च पैड स्थापित करने में दो दशकों से ज्यादा का वक्त लगा था। इसके बाद दूसरा लॉन्च पैड 2004 में बना तो फिर एक दशक का लंबा वक्त लगा।

नेशन फर्स्ट पॉलिसी से लेकर मेक इन इंडिया तक..., पीएम मोदी के भाषण की बड़ी बातें

कांग्रेस ने फ्रीडम ऑफ स्पीच को कुचला

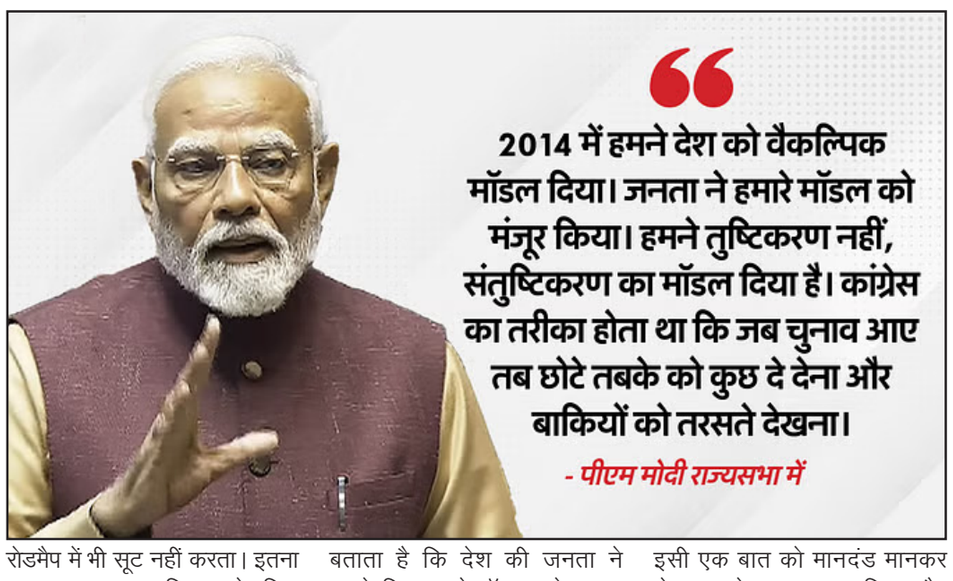

नई दिल्ली,(एजेंसी)। पीएम मोदी ने कहा कि, ये उनकी सोच, समझ के बाहर है और रोडमैप में भी सूट नहीं करता। इतना बड़ा दल एक परिवार के लिए समर्पित हो गया है। उसके लिए ये संभव ही नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि राष्ट्रपति ने विस्तार से चर्चा की है, देश को आगे की दिशा भी दिखाई है। राषट्रपति जी का अभिभाषण प्रभावी भी था और हम सबके लिए भविष्य के काम पर मार्गदर्शक भी था। इसे जिसने जैसा समझा, वैसे समझाया। सबका साथ, सबका विकास पर यहां बहुत कुछ कहा गया। इसमें कठिनाई क्या है। ये तो हम सबका दायित्व है। जहां तक कांग्रेस का सवाल है, उनसे इसके लिए कोई अपेक्षा करना बहुत बड़ी गलती होगी। श्कांग्रेस के मॉडल में फैमिली फर्स्ट सर्वोपरि रहाश पीएम मोदी ने कहा कि, ये उनकी सोच, समझ के बाहर है और रोडमैप में भी सूट नहीं करता। इतना बड़ा दल एक परिवार के लिए समर्पित हो गया है। उसके लिए ये संभव ही नहीं है। कांग्रेस के मॉडल में फैमिली फर्स्ट सर्वोपरि रहा है। देश की जनता ने हमें तीसरी बार लगातार सेवा का मौका दिया। ये बताता है कि देश की जनता ने हमारे विकास के मॉडल को परखा है, समझा है और समर्थन दिया है। हमारा ये मॉडल एक शब्द में कहना हो तो कहूंगा- नेशन फर्स्ट। पीएम मोदी ने कहा कि, इसी उम्दा भावना के साथ वाणी-वर्तन, नीतियों में इसी एक बात को मानदंड मानकर सेवा करने का प्रयास किया है। श्हमने तुष्टिकरण नहीं, संतुष्टिकरण का मॉडल दियाश पीएम मोदी ने कहा कि लंबे समय तक देश को तराजू पर तौलने का कोई अवसर ही नहीं मिला था कि वैकल्पिक मॉडल क्या हो? 2014 में हमने देश को वैकल्पिक मॉडल दिया। जनता ने हमारे मॉडल को मंजूर किया। हमने तुष्टिकरण नहीं, संतुष्टिकरण का मॉडल दिया है। कांग्रेस का तरीका होता था कि जब चुनाव आए तब छोटे तबके को कुछ दे देना और बाकियों को तरसते देखना। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर जबरदस्त हमला बोलते हुए कहा कि, झुनझुना बांटना, लोगों की आंखों पर पट्टी बांधकर अपनी सियासत को चलाए रखना। इनकी नजर वोट की खेती पर होती थी। हमारी कोशिश रही है कि भारत के पास जो भी संसाधन हैं, उनका इष्टतम उपयोग किया जाए। जो समय है, उसको भी बर्बादी से बचाकर के पल-पल का उपयोग जनकल्याण के लिए, देश की प्रगति के लिए खर्च हो। पीएम मोदी ने कहा कि, हमारी सरकार ने एससी-एसटी एक्ट को मजबूत बनाकर दलित-आदिवासी समाज के प्रति सम्मान भी दिखाया, प्रतिबद्धता भी दिखाई।

सौरभ भारद्वाज बोले, अरविंद केजरीवाल फिर बनेंगे सीएम

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। भारद्वाज ने आगे दावा किया कि चुनाव आयोग और अन्य संवैधानिक संस्थाएं जो कभी देश में मौजूद थीं, अब स्पष्ट रूप से सरकार के नियंत्रण में हैं। उन्होंने कहा कि ये संस्थाएं अब ज्यादातर भाजपा के विभागों की तरह काम करती हैं। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने गुरुवार को कहा कि एग्जिट पोल की उम्र सिर्फ एक दिन है, फिर असली नतीजे घोषित होंगे और अरविंद केजरीवाल आप के नेतृत्व वाली सरकार के मुख्यमंत्री होंगे। उन्होंने कहा कि अगर बीजेपी एग्जिट पोल से खुश है तो उन्हें एग्जिट पोल के आधार पर अपनी सरकार बनानी चाहिए, उन्हें सीएम और कुछ मंत्री बनाने चाहिए। इन एग्जिट पोल की उम्र सिर्फ एक दिन है – फिर असली नतीजे घोषित होंगे, अरविंद केजरीवाल सीएम होंगे और ।।च सरकार बनाएगी। भारद्वाज ने आगे दावा किया कि चुनाव आयोग और अन्य संवैधानिक संस्थाएं जो कभी देश में मौजूद थीं, अब स्पष्ट रूप से सरकार के नियंत्रण में हैं। उन्होंने कहा कि ये संस्थाएं अब ज्यादातर भाजपा के विभागों की तरह काम करती हैं। इससे हमारी लोकतांत्रिक जड़ें कमजोर हुई हैं। आप सांसद मालविंदर सिंह कांग ने भरोसा जताया और कहा कि दिल्ली की जनता आम आदमी पार्टी को चुनेगी। उन्होंने कहा कि पहले दिन से हमने अरविंद केजरीवाल के 10 साल के काम के आधार पर चुनाव लड़ा। आप नेता ने कहा कि भाजपा ने श्गीली गलौजश पर चुनाव लड़ा और मशीनरी का दुरुपयोग किया।

निर्वासितों के साथ दुर्व्यवहार न हो, इसके लिए ट्रंप सरकार के संपर्क में: जयशंकर

● यह सभी देशों का दायित्व है कि यदि उनके नागरिक विदेश में अवैध रूप से रह रहे पाए जाते हैं तो उन्हें वापस ले लिया जाए।

नई दिल्ली,(एजेंसी)। जयशंकर ने अमेरिका से अब तक भारत निर्वासित किए गए लोगों के आंकड़े भी सदन के सामने रखे। उन्होंने कहा कि साल 2009 में 734, साल 2010 में 799, साल 2011 में 597, साल 2012 में 530 भारतीयों को निर्वासित किया गया। उन्होंने इस संबंध में 2024 तक के आंकड़े साझा किए। अमेरिका से निर्वासित किए गए भारतीय नागरिकों पर राज्यसभा में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बयान दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह सभी देशों का दायित्व है कि यदि उनके नागरिक विदेश में अवैध रूप से रह रहे पाए जाते हैं तो उन्हें वापस ले लिया जाए। हम अमेरिकी सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वापस लौटने वाले निर्वासितों के साथ किसी भी तरह का दुर्व्यवहार न हो। जयशंकर ने कहा, श्सदन इस बात की सराहना करेगा कि हमारा ध्यान अवैध आव्रजन उद्योग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई पर है। ऐसा होना भी चाहिए। निर्वासितों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर कानून प्रवर्तन एजेंसियां एजेंटों और ऐसी एजेंसियों के खिलाफ आवश्यक, निवारक और अनुकरणीय कार्रवाई करेंगी।श विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि यह सभी देशों का दायित्व है कि यदि उनके नागरिक विदेश में अवैध रूप से रह रहे पाए जाते हैं तो वे अपने नागरिकों को वापस लें। यह नीति केवल एक देश पर लागू नहीं है। निर्वासन की प्रक्रिया कोई नई नहीं है, यह कई वर्षों से है। जयशंकर ने कहा, श्अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे वापस लौटने वाले प्रत्येक व्यक्ति (अमेरिका से निर्वासित भारतीय) के साथ बैठें और पता लगाएं कि वे अमेरिका कैसे गए, एजेंट कौन था और हम कैसे सावधानी बरतें ताकि यह फिर न हो। कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला के सवाल का जवाब देते हुए विदेश मंत्री ने कहा, श्हम जानते हैं कि कल 104 लोग वापस आए हैं। हमने ही उनकी राष्ट्रीयता की पुष्टि की है। हमें ऐसा नहीं समझना चाहिए कि यह कोई नया मुद्दा है। यह एक ऐसा मुद्दा है जो पहले भी होता रहा है। कानूनी गतिशीलता को प्रोत्साहित करना और अवैध आवागमन को हतोत्साहित करना हमारे सामूहिक हित में है। सभी देशों का यह दायित्व है कि यदि उनके नागरिक विदेश में अवैध रूप से रह रहे पाए जाते हैं तो उन्हें वापस ले लिया जाए।

दिल्ली एग्जिट पोल को संजय राउत ने किया खारिज, कहा- जनता ताकतवर है

मुम्बई,(एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने एग्जिट पोल पर कहा कि एग्जिट पोल आते-जाते रहते हैं। हमने महाराष्ट्र और हरियाणा के एग्जिट पोल भी देखे, ऐसा लग रहा था कि हम सरकार बनाने जा रहे हैं। 8 फरवरी को सुबह 10 बजे चीजें सब पता चल जाएगा। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने एग्जिट पोल पर कहा कि ये एग्जिट पोल है, असल पोल के नतीजे 8 तारीख को तय होगा। एग्जिट पोल में कहा गया था कि महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी और हरियाणा में कांग्रेस जीत रही है। ये 8 तारीख को पता चलेगा लेकिन हमें पूरा भरोसा है कि भाजपा दिल्ली नहीं जीतेगी। दिल्ली में आम आदमी पार्टी ही रहेगी...भाजपा वाले यहां पैसे बांट रहे थे लेकिन न प्रशासन ने और न ही पुलिस ने कोई कार्रवाई की। भाजपा को भरोसा हो सकता है कि हमने ये सब किया है इसलिए हम जीतेंगे लेकिन जनता ताकतवर है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने एग्जिट पोल पर कहा कि एग्जिट पोल आते-जाते रहते हैं। हमने महाराष्ट्र और हरियाणा के एग्जिट पोल भी देखे, ऐसा लग रहा था कि हम सरकार बनाने जा रहे हैं। 8 फरवरी को सुबह 10 बजे चीजें सब पता चल जाएगा। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि एग्जिट पोल गलत साबित होते हैं। हमने हाल ही में हुए चुनावों में देखा है।

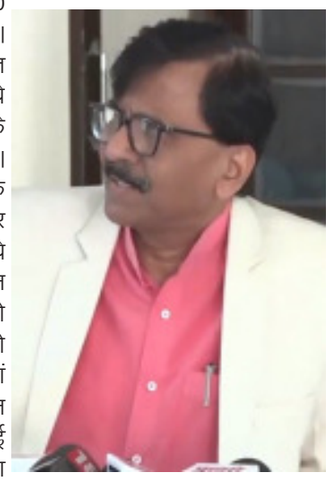

विपक्ष का हल्लाबोल

● आरएसएस के एजेंडे को आगे बढ़ाने का प्रयास, यूजीसी नियमों के मसौदे के विरोध में उतरे राहुल

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली के जंतर-मंतर द्रमुक द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) नियमों के मसौदे के खिलाफ आयोजित विरोध प्रदर्शन में बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षकों और शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति पर यूजीसी के मसौदा नियम आरएसएस के एजेंडे को आगे बढ़ाने की कोशिश है। इसका उद्देश्य देश पर श्एक इतिहास, एक परंपरा, एक भाषाश थोपने का अपना एजेंडा है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (न्ळब्) के ड्राफ्ट नियमों को लेकर विपक्षी दलों का विरोध तेज हो गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी सहित कई विपक्षी नेताओं ने इसे लेकर केंद्र पह हमला बोलते हुए कहा कि वे राज्य सरकारों की सारी शक्ति अपने हाथ में लेना चाहते हैं। श्इतिहास-संस्कृतियों और परंपराओं का उन्मूलन करना संघ का उद्देश्यश दिल्ली के जंतर-मंतर द्रमुक द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) नियमों के मसौदे के खिलाफ आयोजित विरोध प्रदर्शन में बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षकों और शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति पर यूजीसी के मसौदा नियम आरएसएस के एजेंडे को आगे बढ़ाने की कोशिश है। इसका उद्देश्य देश पर श्एक इतिहास, एक परंपरा, एक भाषाश थोपने का अपना एजेंडा है। राहुल गांधी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का उद्देश्य देश के अन्य सभी इतिहास, संस्कृतियों और परंपराओं का उन्मूलन करना है। यूजीसी के मसौदा नियम इसका शुरुआती बिंदु हैं। वे यही हासिल करना चाहते हैं। यह एक तरह से संविधान पर खुले हमले की तरह है। अलग-अलग राज्यों की शिक्षा प्रणाली के साथ छेड़-छाड़ की जो कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि हर राज्य की अपनी परंपराएं अपना इतिहास और भाषा होती है। मैं हमेशा कहता हूं कि संविधान में, भारत को श्राज्यों का संघश कहा जाता है, इसका मतलब है कि ये सभी इतिहास, परंपराएं भाषाएं एक साथ मिलकर भारत को राज्यों का संघ बनाती हैं। और इसलिए हमें इसके बारे में इसी तरह सोचना होगा। हमें सभी भाषाओं, सभी संस्कृतियों, सभी परंपराओं, सभी इतिहासों का सम्मान करना होगा और हमें समझना होगा कि वे कहां से आ रहे हैं। अखिलेश यादव ने भी कसा तंज समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भी भाजपा-आरएसएस पर निशाना साधा है।

वोट बैंक के लिए देश को बांटने को तैयार हैं राहुल गांधी: निशिकांत दुबे

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। भाजपा सांसद ने कहा कि वह (राहुल गांधी) संसद, मंच और लोकतंत्र का दुरुपयोग करते हैं। पहली बार, हमारे पास एक ऐसा नेता है जिसे देश की चिंता नहीं है – लेकिन वोट बैंक के लिए, वह देश को उसी तरह विभाजित करने के लिए तैयार है जैसे जवाहर लाल नेहरू ने विभाजित किया और पाकिस्तान बनाया। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वह वोट बैंक के लिए देश को विभाजित करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक वह सोमवार को सदन में अपने भाषण के दौरान लगाए गए अपने विभिन्न आरोपों को प्रमाणित नहीं कर देते, तब तक नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ लोकसभा में विशेषाधिकार प्रस्ताव लाया जाएगा। राहुल पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि मैंने उनसे लोकसभा में जो कहा है उसे प्रमाणित करने के लिए कहा है, अगर वह ऐसा करते हैं तो अच्छा है अन्यथा उनके खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव लाया जाएगा। मैं कभी भी संसद का दुरुपयोग नहीं करताय मैं पूरे सबूत के साथ बातें कहता हूं। भाजपा सांसद ने कहा कि वह (राहुल गांधी) संसद, मंच और लोकतंत्र का दुरुपयोग करते हैं। पहली बार, हमारे पास एक ऐसा नेता है जिसे देश की चिंता नहीं है – लेकिन वोट बैंक के लिए, वह देश को उसी तरह विभाजित करने के लिए तैयार है जैसे जवाहर लाल नेहरू ने विभाजित किया और पाकिस्तान बनाया।

राहुल गांधी ने केंद्र पर हमला बोलते हुए लोकसभा में कई आरोप लगाए जिनका बाद में केंद्रीय मंत्रियों ने खंडन किया।

आरबीआई रेपो रेट में कर सकता है 25 बीपीएस की कटौती

● बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट ने बताया दावे का कारण

नई दिल्ली,(एजेंसी)। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार महंगाई का दबाव कम हुआ है। मुख्य रूप से टमाटर, प्याज और आलू जैसी जरूरी सब्जियों की कीमतों में गिरावट आई है। इन वस्तुओं की बेहतर आपूर्ति ने उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में मूल्य अस्थिरता को कम करने में योगदान दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) 7 फरवरी को मौद्रिक नीति घोषणा के दौरान पांच साल के अंतराल के बाद पहली बार रेपो दर में 25 आधार अंकों (बीपीएस) की कटौती का एलान कर सकता है। बैंक ऑफ बड़ौदा की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक फिलहाल जारी है। आरबीआई के नए गवर्नर संजय मल्होत्रा शुक्रवार को पहली बार एमपीसी के फैसले का एलान करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार मुद्रास्फीति, जिसपर फोकस मौद्रिक नीति के केंद्र में है, में नरमी के संकेत दिख हैं, इसलिए केंद्रीय बैंक के पास दर कटौती का मौका है। रेपो रेट में मई 2020 में पिछली बार हुई थी कटौती रिपोर्ट में कहा गया है, ष्सभी मैक्रो और भू-राजनीतिक कारकों को देखते हुए आरबीआई की ओर से नीतिगत ब्याज दरों खासकर रेपो रेट में 25 आधार अंकों की कटौती की गुंजाइश बनी हुई है।ष आरबीआई ने पिछली बार कोविड के दौरान मई 2020 में नीतिगत ब्याज दरों में कटौती की थी। तब रेपो रेट को घटाकर चार प्रतिशत कर दिया गया था। इसके बाद सात बार रेटो में इजाफा किया गया, जिससे यह बढ़कर 6.5ः पर पहुंच गया। फरवरी 2023 के बाद रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया है। टमाटर, प्याज और आलू जैसी जरूरी सब्जियों की कीमतों में राहत बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार महंगाई का दबाव कम हुआ है। मुख्य रूप से टमाटर, प्याज और आलू जैसी जरूरी सब्जियों की कीमतों में गिरावट आई है। इन वस्तुओं की बेहतर आपूर्ति ने उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में मूल्य अस्थिरता को कम करने में योगदान दिया है।

जनता करे चिन्ता

मेरे देश को नजर लग गई है अथवा प्रतिदिन लगाई जा रही है। लोग पेट भरने के नाम पर, सत्ता के अहंकार के नाम पर, अपने राक्षसी स्वभाव के प्रभाव में अथवा अपनी भावी पीढ़ियों को अपकीर्ति भोगने के लिए प्रतिदिन कर्म कर रहे हैं। देश हित को शत्रुओं के हाथों बेच रहे हैं। आज पूरा प्रदेश ही क्या, पूरा देश अपराधों की चपेट में रावण की लंका हो रहा है। एक पुराना शेर है–

आप किसी भी क्षेत्र में झांककर देख लें, आसुरी सींग ही दिखाई देते हैं। ये मानवता के तो शत्रु हैं ही, प्रकृति की भी जड़ें खोद रहे हैं। हमारी सरकारें इतनी नृशंस हो जाएंगी, यह कौन सोच सकता है। इनको अपने कागज के टुकड़ों की चिंता के आगे बाकी सब छोटा लगता है। सोचो तो, एक ओर सरकारें कमीशन खाने में व्यस्त हैं। इनका क्या जाता है– गांव उजड़ जाए, खेती उजड़ जाए, पेड़ काट लें, पक्षी मर जाए। और भी कुछ होना है हो जाए। इनका थैला शाम तक भर जाए।दूसरी ओर प्रकृति पर कुठाराघात। लूट लो अस्मत उसकी। गरीब की जोरू सबकी भाभी सी। बजरी–पत्थर–रेत–शराब–अफीम– डोडे–खनिज–लवण–तेल–पानी कुछ भी मिले, खा जाओ। सत्ता में अवैध कुछ नहीं होता। माफिया ही वैध होता है। पिछले 15–20 वर्षों का रिकॉर्ड देख लें, माफिया ने ही ज्यादातर सरकारें चलाई हैं। यदि मैं यह कहूं अवैधता ही आज कानून है तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। क्योंकि आज अपराधों के शीर्ष पर भी नेता और अधिकारी ही बैठे हैं। उनके काले धन से ही माफिया पनपता है। ये ही माफिया के संरक्षक बन जाते हैं। आज तो इनके परिजनों का व्यवहार भी गुंडों और माफिया जैसा होने लगा है। जैसा खावे अन्न, वैसा होवे मन। इनके कुलों का भी यही भविष्य होने वाला है।आज लोकतंत्र को शर्म आ रही है– अपराधों का बोलबाला इतना बढ़ गया कि आज नागरिक त्रस्त हो उठा। हत्या–बलात्कार, डकैती, साइबर ठगी, डिजिटल अपराध सब आक्रामक गति से आगे बढ़ रहे हैं। पुलिस का रवैया तो हास्यास्पद लगने लगा है। न तो माफिया पर काबू कर पा रही है, न खुद को पिटाई से बचा पा रही है। अंग्रेजी की एक कहावत है– 'इफ यू कैन नॉट विन देम, ज्वॉइन देम' अर्थात यदि आप किसी पर काबू नहीं पा सकते, तो उसके साथ मिल जाइए। जैसे नेता पाला बदलते रहते हैं।

पुलिस को आज माफिया का सहोदर माना जाने लगा है। इनकी खुद की अपनी शासन प्रणाली बन गई। ये किसी भी ट्रक को रात को चौकी पार करवा सकती है, किसी भी डायरी बदलकर कोर्ट में पेश कर सकते हैं, थाने में बलात्कार कर सकती है– भले ही महिला सिपाही ही क्यों न हो, कारें उठवा सकती है, नाइट क्लब का कवच बन सकती है, सैक्सटॉर्शन की मूक–दर्शक बन सकती है। सबके साथ–सबका विकास। काश, ये भी राज्य में अपराधों के आंकड़े पढ़ लेते। मानवता का जो अपमान, विशेषकर महिला पीड़िताओं का, थानों में होता है, शायद रावण के राज्य में भी नहीं हुआ हो। मुझे आज तक याद है सन् 2022 में एक आरपीएस अधिकारी ने पीड़िता से रिश्वत में अस्मत मांग ली थी।

युवा दल तैयार हों

गृह विभाग में भी कई पुलिसकर्मियों अधिकारियों के विरुद्ध शिकायतें जांच व आदेश रखे हैं। कार्रवाई कौन करे? ऊपर सीबीआई जैसे विभागों में भी वरिष्ठ अधिकारी इनके बैच के ही होते हैं। कोई भी कार्रवाई नहीं होगी। नेताओं और कुछ अधिकारियों की तो टीमें भी दिखाई दे जाएंगी। प्रभावशाली नेताओं के सैकड़ों एकड़ भूमि पर कब्जे हैं, होंगे। न्यायालय में तारीखें पड़ती रहती हैं। बयान बदलते रहते हैं या बदलने के लिए दबाव बने रहते हैं। नहीं तो झूठे मुकदमों में फंसाकर भी अपना उल्लू सीधा करते रहते हैं। अब साइबर ठगी–डिजिटल ठगों ने अपराधों के आयाम बदल दिए। हमारा अनुभव यह है कि ये ठग भी पुलिस से दूर नहीं है। पत्रिका के अभियान अब अपराधियों का पीछा करेंगे। युवा वर्ग स्थानीय स्तर पर जुड़ते जाएं तो बहुत कुछ सफलता मिल सकती है। पुलिस से अपेक्षा रहेगी इस अभियान में सहयोग करे। नेताओं की गुलामी बहुत हो गई। अपराध अब इनकी चिंता का उतना बड़ा विषय नहीं रहा, जितना कभी था। इसकी चिंता जनता को ही करनी होगी।एक ही मार्ग है। हर नगर–गांव में युवा–दल तैयार हों, संकल्प के साथ। न मादक द्रव्य गांव में घुसेंगे, न कोई अपराधी गांव में रह पाएगा। नारी शक्ति की पुनः प्रतिष्ठा होगी। फिर कोई आंख उठाकर तो देखे।

पाकिस्तान की हिमाकत पर कोई हैरानी नहीं

बलबीर पुंज

समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि भगत सिंह ष्मुसलमानों के प्रति शत्रुतापूर्ण मजहबी नेताओं से प्रभावित थे और भगत सिंह फाउंडेशन इस्लामी विचारधारा और पाकिस्तानी संस्कृति के खिलाफ काम कर रहा है, (और) इस पर प्रतिबंध लगना चाहिए।ष बकौल रिपोर्ट, ष्फाउंडेशन के अधिकारी जो खुद को मुस्लिम कहते हैं, क्या वह नहीं जानते कि पाकिस्तान में किसी नास्तिक के नाम पर किसी जगह का नाम रखना अस्वीकार्य है और इस्लाम में मानव मूर्तियां प्रतिबंधित है?ष

जो समूह भारत–पाकिस्तान संबंध और शसिख–मुस्लिम सद्भावनाद्य की संभावनाओं पर बल देते है, वह हालिया घटनाक्रम पर क्या कहेंगे? बीते दिनों पाकिस्तानी पंजाब की सरकार ने यह कहते हुए शादमान चौक का नाम शहीद भगत सिंह समर्पित करने की वर्षों पुरानी मांग को ठंडे बस्ते में डाल दिया कि भगत सिंह क्रांतिकारी नहीं, बल्कि श्अपराधीद्य और आज की परिभाषा में श्आतंकवादीद्य थे। जैसे ही यह खबर भारत पहुंची, तुरंत विभिन्न राजनीतिक दलों ने पाकिस्तान को गरियाना शुरू कर दिया। परंतु मुझे पाकिस्तान की इस हिमाकत पर कोई हैरानी नहीं हुई। क्या इस इस्लामी देश से किसी अन्य व्यवहार की उम्मीद की जा सकती है?

लाहौर में जिस स्थान पर 23 मार्च 1931 को महान स्वतंत्रता सेनानियोंकृ भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी दी गई थी, वह जगह शादमान चौक नाम से प्रसिद्ध है। इसी मामले में 8 नवंबर को लाहौर उच्च न्यायालय में सुनवाई थी। तब श्भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन पाकिस्तानद्य द्वारा अदालत में दायर एक याचिका पर लाहौर प्रशासन ने जवाब देते हुए कहा, ष्शादमान चौक का नाम भगत सिंह के नाम पर रखने और वहां उनकी प्रतिमा लगाने की प्रस्तावित योजना को पूर्व नौसेना अधिकारी तारिक मजीद की टिप्पणी के आलोक में रद्द कर दिया गया है।ष मजीद मामले में गठित समिति का हिस्सा है और उन्होंने कहा था कि भगत सिंह ने एक ब्रिटिश पुलिस अधिकारी की हत्या की थी, इसलिए उन्हें दो साथियों के साथ फांसी दे दी गई थी।

इसी समिति की रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि भगत सिंह ष्मुसलमानों के प्रति शत्रुतापूर्ण मजहबी नेताओं से प्रभावित थे और भगत सिंह फाउंडेशन इस्लामी विचारधारा और पाकिस्तानी संस्कृति के खिलाफ काम कर रहा है, (और) इस पर प्रतिबंध लगना चाहिए।ष बकौल रिपोर्ट, ष्फाउंडेशन के अधिकारी जो खुद को मुस्लिम कहते हैं, क्या वह नहीं जानते कि पाकिस्तान में किसी नास्तिक के नाम पर किसी जगह का नाम रखना अस्वीकार्य है और इस्लाम में मानव मूर्तियां प्रतिबंधित है?ष मामले में अगली सुनवाई 17 जनवरी 2025 को होगी।

पाकिस्तान में भगत सिंह का रिश्ता केवल लाहौर जेल तक सीमित नहीं है। जिस अविभाजित पंजाब के लायलपुर में उनका जन्म हुआ था, वह भी अब पाकिस्तान में है। लाहौर के ही नेशनल कॉलेज में भगत सिंह के अंदर क्रांति के बीज फूटे थे और श्नौजवान भारत सभाद्य का गठन भी लाहौर में किया था। यदि इस पृष्ठभूमि में पाकिस्तान भगत सिंह को अपना श्नायकद्य मान लेता, तो ऐसा करके वह अपने वैचारिक अस्तित्व, जिसे श्काफिर–कुफ्रद्य अवधारणा से प्रेरणा मिलती हैकृ उसे प्रत्यक्ष–परोक्ष रूप से नकार देता। पाकिस्तानी सत्ता–वैचारिक अधिष्ठान के लिए भगत सिंह भी एक श्काफिरद्य है।

भारतीय उपमहाद्वीप में इस जहरीले चिंतन की जड़ें बहुत गहरी है। गांधीजी ने अली बंधुओं (मौलाना मुहम्मद अली जौहर और शौकत अली) के साथ मिलकर विदेशी खिलाफत आंदोलन (1919–24) का नेतृत्व किया था। परंतु मौलाना मुहम्मद अली जौहर स्वयं गांधीजी के बारे में क्या सोचते थे, यह उनके इस विचार से स्पष्ट हैकृ ष्गांधी का चरित्र चाहे कितना भी शुद्ध क्यों न हो, मजहब की दृष्टि से वे मुझे किसी भी चरित्रहीन मुसलमान से हीन प्रतीत होते हैं।ष बात यदि वर्तमान पाकिस्तान की करें, तो वह विभाजन के बाद अपने दस्तावेजों, स्कूली पाठ्यक्रमों और अपनी आधिकारिक वेबसाइटों में इस बात का उल्लेख करता आया है कि उसकी जड़ें सन् 711–12 में इस्लामी आक्रांता मुहम्मद बिन कासिम द्वारा हिंदू राजा दाहिर द्वारा शासित तत्कालीन सिंध पर किए हमले में मिलती हैं। इसमें कासिम को श्पहला पाकिस्तानीद्य, तो सिंध को दक्षिण एशिया का पहला श्इस्लामीद्य प्रांत्य बताया गया है।

जिन भारतीय क्षेत्रों को मिलाकर अगस्त 1947 में पाकिस्तान बनाया गया था, वहां हजारों वर्ष पहले वेदों की ऋचाएं सृजित हुई थीं और बहुलतावादी सनातन संस्कृति का विकास हुआ था। इसलिए पुरातत्वविदों की खुदाई में वहां आज भी वैदिक सभ्यता के प्रतीक उभर आते हैं, जिसका इस्लाम में कोई स्थान नहीं है। परंतु पाकिस्तान अपनी छवि सुधारने के नाम पर मोहनजोदड़ो, हड़प्पा, सिंधु घाटी, आर्य सभ्यता, कौटिल्य और गांधार कला से जोडने का प्रयास करता है। इसी वर्ष 29 मई को पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा था, ष्पाकिस्तान को अपनी प्राचीन बौद्ध विरासत पर गर्व है।ष वास्तव में, यह क्रूरतम मजाक है। जिन इस्लामी आक्रांताओंकृ कासिम, गजनवी, गौरी, बाबर, टीपू सुल्तान आदि को पाकिस्तान अपना घोषित श्नायकद्य मानता है, जिनके नामों पर उसने अपनी मिसाइलों–युद्धपोतों का नाम रखा हैकृ उन्होंने ही श्काफिर–कुफ्रद्य अवधारणा से प्रेरित होकर भारतीय उपमहाद्वीप में गैर–इस्लामी प्रतीकों (हिंदू–बौद्ध सहित) का विनाश किया था। इस चिंतन में आज भी कोई बदलाव नहीं आया है। जब जुलाई 2020 में खैबर पख्तूनख्वा में निर्माण कार्य के दौरान जमीन से भगवान गौतमबुद्ध की एक प्राचीन प्रतिमा मिली थी, तब स्थानीय मौलवी द्वारा इसे गैर–इस्लामी बताने पर लोगों ने मूर्ति को हथौड़े से तोड़ दिया था।

पाकिस्तानी राष्ट्रगान (कौमी तराना) का मामला और भी दिलचस्प है। वर्ष 1947 में इस्लाम के नाम पर खूनी विभाजन के बाद शेष विश्व के सामने पाकिस्तान को तथाकथित श्सेकुलरद्य दिखाने के लिए मोहम्मद अली जिन्नाह ने हिंदू मूल के उर्दू शायर जगन्नाथ आजाद द्वारा लिखित एक उर्दू गीत को राष्ट्रगान बनाया था। जिन्नाह की मृत्युपर्यंत लगभग डेढ़ वर्ष तक यह पाकिस्तान का राष्ट्रगान रहा। चूंकि इसे श्काफिरद्य हिंदू ने लिखा था, इसलिए इसका पाकिस्तानी नेतृत्व से लेकर आम लोगों ने भारी विरोध किया और इसपर प्रतिबंध लगा दिया। वर्ष 1952 में हाफिज जालंधर द्वारा फारसी भाषा में लिखित गीत को कौमी–तराना बनाना मुकर्रर हुआ। यह स्थिति तब है, जब इस इस्लामी देश की आधिकारिक राष्ट्रीय भाषा उर्दू–अंग्रेजी है और यहां पंजाबी, सिंधी, पश्तो, बलूची, सराइकी इत्यादि भाषाएं बोली जाती है। फिर भी इसका राष्ट्रगान उस फारसी भाषा में है, जिसे बोलनेध्समझने वालों की संख्या पाकिस्तान में बेहद सीमित है।

पाकिस्तान में यह हड़बड़ाहट उसके वैचारिक अधिष्ठान के कारण है, जो पिछले 77 वर्षों से अपनी पहचान भारत में जनित और विकसित सांस्कृतिक जड़ों से काटने और मध्यपूर्व–अरब देशों से जोडने का असफल प्रयास कर रहा है। इसलिए इस जड़–विहीन पाकिस्तान को उसके इस्लामी होने के बावजूद मध्यपूर्वीय देश, सम्मान या बराबर की नजर से नहीं देखते है। पाकिस्तान में एक बड़े भाग द्वारा शहीद भगत सिंह का विरोध भी अपनी मूल जड़ों को नकारने की विचारधारा से ही प्रेरित है।

जिन पिंग के दिमाग में भारत की जीरो अंहमियत

हरिशंकर व्यास

भारत के प्रति चीन इंच भर (हां, इंच भर) न नर्म होगा, न पीछे हटेगा। इसका फिर प्रमाण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिन पिंग की मुलाकात है। वैश्विक राजनीति के परिपेक्ष्य में मुझे भारत के विदेश मंत्री, विदेश सचिव के बयानों से चीन के लचीले बनने की उम्मीद थी। लगा लद्दाख क्षेत्र की सीमा पर चीन अप्रैल 2020 से पूर्व की यथास्थिति लौटा देगा। भारतीय सेना जिस इलाके में पैट्रोलिंग करती थी, वहां वह वापिस करने लगेगी। चीन यदि अपने कब्जाएं 2000 वर्गकिलोमीटर भारतीय क्षेत्र से सैनिक हटाता है, दोनों देशों की सेनाएं आमने–सामने के गतिरोध से पीछे हटती है तो भारत का चीन पर विश्वास बनेगा। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश तब मन से चीन का दोस्त होगा। और चीन–रूस मिलकर विश्व राजनीति में अपनी जो अलग व्यवस्था बना रहे है उसमें भारत साझेदार या परोक्ष समर्थक होगा। वह सैनिक–सुरक्षा चिंता में अमेरिका–पश्चिमी देशों की और देखना रोक देगा। इससे चीन–रूस के पश्चिमी देशों के खिलाफ शक्ति परीक्षण, नई विश्व व्यवस्था, वित्तिय व्यवस्था के एजेंडे को बल मिलेगा। आखिर 140 करोड़ लोगों की आबादी का देश डालर में लेन–देन के सिस्टम से युआन–रूबल मिक्स करेंसी के एक्सचेंज का आंशिक सहभागी भी बने तो उथल–पुथल होगी।

वास्तविकता है ताईवान को ले कर चीन की अमेरिका से जबरदस्त ठनी हुई है। उसकी आर्थिकी अमेरिका–योरोप की घेरेबंदी से मंदी की मारी है। वह रूस के साथ सैनिक–सामरिक–आर्थिकी की साझेदारी से दुनिया का अछूत हुआ है तो ऐसे में भारत यदि उसके मंसूबों की नई विश्व व्यवस्था में उसका साझेदार या मौन पैरोकार भी बने तो रूस–चीन के झंड़े का दबदबा बढ़ेगा। जब दांव इतने ऊंचे और भविष्य दृष्टि के है तब लद्दाख क्षेत्र के बंजर पठार के 2000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में चीन अपनी सेना को अप्रैल 2020 की स्थिति में लौटा ले तो नुकसान से ज्यादा उसे फायदा है!

मगर नहीं! चीन की मनोदशा में इंच भर पीछे हटने या झुकने की वृति नहीं है। माओं, चाऊएनलाई, देंग और शी जिन पिंग के समय में बार–बार जाहिर हुई भारत के प्रति हिकारत का उसका रवैया जस का तस है। चीन भारत का वह पड़ौसी है जो धूर्त, स्वार्थी है तो तलवारधारी विश्व व्यापारी भी है। इक्कीसवीं सदी में वह भारत सहित पूरी दुनिया को अपनी वर्चस्ववादी धुरी का पुछल्ला बनाने की जिद्द ठाने हुए है। उसके रोडमैप में अब एक कदम पीछे दो कदम आगे का व्यवहार भी नहीं है। उसे व्यापार और आर्थिकी की रणनीति में भारत को पुछल्ला बनाना ही है।

फिलहाल उसके ताजा इरादों पर गौर करें। एक, चीन ने रूस को अपनी फैंचाइंजी बना लिया है। रूस उस पर आश्रित है। उसका कंधा है। राष्ट्रपति शी जिन पिंग जो कहेंगे वही पुतिन करेंगे। पुतिन कतई शी जिन पिंग को नहीं समझा सकते है। दो, चीन–रूस का एकीकृत मिशन अमेरिका–पश्चिम की केंद्रीकृत धुरी के आगे अपनी नई विश्व व्यवस्था बनाना है। तीन, चीन ने इसके लिए दुनिया भर के छोटे–गरीब देशों को बेइंतहा पैसा दे कर उन्हे अपना मोहताज बनाया है। भारत के सभी पड़ौसी चीन पर आश्रित है। अर्थात वह देशों की संख्यात्मक ताकत बनाते हुए है। चार, भारत, जापान, आस्ट्रेलिया जैसे देशों को चीन ने सैनिक दबाव और व्यापार के दोहरे कारणों से दुविधा, चिंता तथा आयातों की निर्भरता में ऐसा फंसाया है कि भारत के विदेश मंत्री को सार्वजनिक तौर पर यह मजूबरी बतलानी पड़ती है कि यह मुद्दा (व्यापार) जटिल है और इसमें ब्लैक एंड व्हाइट जैसा कुछ नहीं है। पांच, ब्रिक्स की बैठक में नेटो सदस्य तुर्की को न्यौत कर तथा मिस्र, इथियोपिया की सदस्यता का अर्थ है कि चीन–रूस ने उत्तर–मध्य एसिया के सभी इस्लामी देशों के अलावा पाकिस्तान से तुर्की तक फैले पूरे पश्चिम एसिया, उत्तर अफ्रिका के उस सभ्यतागत क्षेत्र को अपने प्रभाव में लेने का ब्ल्यूप्रिंट बनाया है जहां इस्लामी देशों (विशेषकर यहूदी इजराइल के परिपेक्ष्य में) की गोलबंदी भविष्य में चीनी सभ्यता का खंभा हो सकती है।

तभी चीन और राष्ट्रपति शी जिन पिंग के दिमाग के कोने में भारत की जीरो अंहमियत है। चीन का थिंकटैंक जानता है 140 लोगों का भारत कभी ईस्टइंडिया कंपनी से चलता था अब अदानी–अंबानी से चलता है। अदानी–अंबानी, कारोबारियों को मैनेज करों, उनका मुनाफा बनवाओं तो अपने आप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कजाक भागे आएंगे। विदेश मंत्री जयशंकर, विदेश मंत्रालय खुद ही हैडलाइन बना डालेंगे कि भारत और चीन पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त के पैटर्न को लेकर एक समझौते पर पहुंच चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी कजाक जा कर राष्ट्रपति से मुलाकात कर रहे है। फिर भले हम–आप और दुनिया खोजती रहे कि भारत के सैनिक क्या सचमुच डेपसांग, गलवान, गोगरा, पैंगॉन्ग के नॉर्थ ब्लॉक और कैलाश रेंज में वैसे ही गस्त लगाते हुए है जैसे अप्रैल 2020 से पहले लगा रहे थे?

सिंगौरगढ़ किला, दमोह मध्यप्रदेश की ऐतिहासिक धरोहर

अरूण शर्मा

मध्यप्रदेश के दमोह जिले में स्थित सिंगौरगढ़ किला, रानी दुर्गावती के शासनकाल की महत्वपूर्ण धरोहर है। यह किला केंद्रीय संरक्षित स्मारक है। पहाड़ी पर स्थित यह किला अपनी अद्वितीय स्थापत्य कला और सामरिक महत्व के कारण सदियों से एक महत्वपूर्ण किलेबंदी के रूप में पहचाना गया है।सिंगौरगढ़ किला दमोह के दक्षिण–पूर्व में स्थित है। यह किला पहाड़ी की चोटी पर बनाया गया है, जिसे कलचुरी राजवंश द्वारा निर्मित किया गया था। इस किले का महत्व बढ़ाने में कई राजवंशों का योगदान रहा है। समय–समय पर इसमें विभिन्न निर्माण और सुदृढ़ीकरण कार्य किए गए, जिनके अवशेष आज भी इस किले में देखे जा सकते हैं।

सिंगौरगढ़ किले का ऐतिहासिक महत्वरूसिंगौरगढ़ किले का नाम इतिहास में विशेष रूप से रानी दुर्गावती के शासनकाल से जुड़ा हुआ है। इस किले की दीवारें और परकोटे इसे दुश्मनों से सुरक्षित रखने के लिए विशेष रूप से निर्मित किए गए थे। इसके चारों ओर लगभग 8 किलोमीटर की लंबाई में फैला बाहरी परकोटा है, जो किले की बाहरी सुरक्षा सुनिश्चित करता था। किले के अंदरूनी हिस्से में भी एक परकोटा है, जिसे अन्तरू किलेबंदी के रूप में उपयोग किया जाता था। किले के भीतर रानी महल, विशाल जल कुंड, मंदिरों के अवशेष और अन्य स्थापत्य संरचनाएं हैं, जो इसके गौरवशाली इतिहास की गवाही देती हैं।कले का निर्माण पूरी तरह से प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके किया गया है। इसमें बड़े अनगढ़ पत्थरों का उपयोग किया गया है और दीवारों को मजबूत बनाने के लिए चूना और मिट्टी का उपयोग किया गया है। किले के ऊपर विभिन्न संरचनाएं, जैसे रानी महल और अन्य स्थापत्य धरोहरें, इसकी भव्यता को और बढ़ाते हैं।संरक्षण कार्य रू अतीत को बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयासरूसिंगौरगढ़ किला संरक्षित स्मारकों की सूची में शामिल है। इसके संरक्षण का कार्य 4 चरणों में किया जा रहा है। प्रत्येक चरण में किले के विभिन्न भंग हिस्सों का जीर्णोद्धार कर इनका संरक्षण और पुनर्निर्माण किया जाएगा। इसमें मुख्यतरू किले के बाहरी और आंतरिक दीवारों का संरक्षण, सीढियों की मरम्मत, रानी महल की छत की मरम्मत और किले के अन्य संरचनाओं की मरम्मत का कार्य शामिल है। इसके लिए कुल 8.83 करोड़ रुपये मंजूर किये गये हैं। किले के महत्वपूर्ण हिस्सों की मरम्मत और संरक्षण का कार्य किया जा रहा है। वित्त वर्ष 2020–21 में परियोजना के पहले चरण में 1 करोड़ 4 लाख रूपये के कार्य किये गये।

पहले चरण में किले के मुख्य प्रवेश द्वार (हाती गेट) का संरक्षण कार्य पूरा किया गया। इस चरण में हाथी गेट के प्रवेश मार्ग की मरम्मत, रिटेनिंग दीवार का निर्माण, पुराने प्लास्टर को हटाकर नए प्लास्टर का कार्य और गुम्बद की मरम्मत भी शामिल थी। साथ ही किले के परिसर में सैंड स्टोन फ्लोरिंग और लाईम कांक्रीट कार्य भी किया गया। यह कार्य वित्त वर्ष 2023–24 में पूरा हुआ।भविष्य की योजनाएं और चरणबद्ध कायर्रूअगले चरण में रानी महल, किले की सीढियों और कंगूरों की मरम्मत की जाएगी। बलुआ पत्थर के स्तंभों, पत्थर की बेंचों और अन्य स्थापत्य धरोहरों की भी मरम्मत की जाएगी। इस किले के संरक्षण कार्य का उद्देश्य इसे न केवल ऐतिहासिक रूप से सुरक्षित रखना है, बल्कि इसे पर्यटन के लिहाज से भी विकसित करना है, ताकि इसे मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल किया जा सके।प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक धरोहर का संगमरूसिंगौरगढ़ किला एक ऐतिहासिक स्थल होने के साथ प्राकृतिक सौंदर्य से भी परिपूर्ण है। यह किला सिंग्रामपुर के आरक्षित वन क्षेत्र में स्थित है, जो इसे प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर का अनूठा संगम बनाता है। किले के आसपास का दृश्य बहुत ही मनोहारी है और यह पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन सकता है।पर्यटन और रोजगार के अवसररूसंरक्षण कार्य से किले को न केवल संरक्षित किया जा रहा है, साथ ही इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी उत्पन्न हो रहे हैं। किले के संरक्षण के साथ–साथ, इसके आसपास के क्षेत्रों में भी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी योजनाएं बनाई जा रही हैं। इससे क्षेत्रीय पर्यटन विकास और आर्थिक उन्नति होगी।सिंगौरगढ़ किले का संरक्षण कार्य एक ऐतिहासिक धरोहर को बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और आने वाले वर्षों में यह किला मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में जाना जायेगा।

हिंदी विवि में दिव्य-कुंभ, भव्य -कुंभ, महाकुम्भ विषय पर व्याख्यान का आयोजन

कुंभ हमारी सांस्कृतिक धरोहर एवं आस्था का केंद्र है : प्रो. दिगंबर मा. तंगलवाड़

प्रयागराज। महात्ध्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्ध्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र, झूंसी, प्रयागराज का कुम्भ मेला शिविर के अंतर्गत दिव्य–कुंभ, भव्य–कुंभ, महा कुंभ विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में तुलनात्मक राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. रवि रमेश चंद्र शुक्ल उपस्थित रहे।

इस अवसर पर डॉ. रवि रमेश चंद्र शुक्ला ने कहा कि कुंभ हमारी चेतना एवं ऊर्जा की अभिव्यक्ति है जो हमें एक दिव्य एवं महाकुंभ का दर्शन कराती है। कुंभ में कल्ध्पवाशी, अल्ध्पवाशी, श्रद्धालु मां गंगा में स्ध्नान कर पाप धोने नहीं बल्कि पुण्ध्य अर्जित करने आते हैं। वसुधैव कुटुम्ध्बकम् की यह धारणा कुंभ में ही पुर्नस्ध्थापित होती दिखाई देती है। भारत की पहचान गंगा से है जहां हमें समरसता, राष्ध्ट्रीयता एवं सदभाव देखने को मिलता है। यहां सभी जाति वर्ग बिना भेद भाव के एक साथ एक ही घाट पर स्ध्नान करके पुण्ध्य अर्जित करते हैं। श्रद्धालु बिना किसी मध्ध्यस्ध्थता के मां गंगा में डुबकी लगाते हुए अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति करते हैं। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में अमेरिका के स्वतन्त्र फोटोग्राफर कोनर मार्टिन ने कहा कि अमेरिका एक नया देश है जबकि भारत एक प्राचीनतम एवं विभिन्ध्न संस्ध्कृतियों वाला देश है। जहाँ मुझे श्रद्धा, भक्ति एवं अस्था का विहंगम दृश्य देखने को मिला। दूसरे विशिष्ध्ट अतिथि दर्शन सेण्ध्टर नई दिल्ध्ली के निदेशक श्री विभव कपूर ने कहा कि हमारे पूज्ध्यनीय संत कुंभ की बेशब्री से प्रतीक्षा करते हैं जहाँ अपनी तप साधना के बल पर

विश्ध्व के कल्ध्याण की मनोकामना करते हैं। कार्यक्रम की अध्ध्यक्षता क्षेत्रीय केंद्र के अकादमिक निदेशक प्रो. दिगंबर मा. तंगलवाड़ ने किया। प्रोफेसर तंगलवाड़ ने अध्ध्यक्षीय उद्बोध

कुंभ एक चेतना एवं ऊर्जा का अभिव्यक्ति है– डॉ. रवि रमेशचंद्र शुक्ल

न में कहा कि संगम पर लगने वाला यह कुम्भ मेला विश्व में भारत की धार्मिक, सॉस्कृतिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से बड़ा महत्त्व है। यह दिव्ध्य कुंभ हमारी सांस्ध्कृतिक धरोहर एवं आस्ध्था का केंद्र बिंदु है। यह कुंभ हमारी भारतीय सांस्ध्कृतिक विविधता को दर्शाती है। कार्यक्रम का शुभारंम्भ विश्ध्वविद्यालय के कुलगीत के द्वारा किया गया। इसके उपरान्त केंद्र प्रयागराज के अकादमिक निदेशक द्वारा अतिथि को पुष्प गुच्छ, सूत की माला एवं अंगवस्ध्त्र भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की प्रस्ध्ताविकी प्रोफेसर अखिलेश दुबे ने किया। जिसमें उन्होंने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि यह कुंभ सभी तरह के आयामों को दर्शाती है। हमारी प्राचीन परंपरा रही है कि दान कर पुण्ध्य अर्जित करने की। कुंभ में तपस्ध्या और श्रद्धा के साथ विश्ध्व के कोने–कोने से श्रद्धालु आते हैं जो दान कर पुण्ध्य अर्जित करते हैं। कार्यक्रम का स्ध्वागत वक्ध्तव्ध्य समाजकार्य के सहायक आचार्य डॉ. मिथिलेश कुमार तिवारी ने विस्ध्तार से किया। सहायक आचार्य डॉ. विजया सिंह ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। कार्यक्रम का आभार डॉ. हरप्रीत कौर ने किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज में कार्यरत डॉ. सुप्रिया पाठक, डॉ. अवंतिका शुक्ला, डॉ. अख्तर आलम, डॉ. सत्यवीर, डॉ. श्याम जी, मनोज कुमार द्विवेदी, जयेंद्र जायसवाल, सुभाष श्रीवास्तव, राहुल त्रिपाठी, रश्मि, प्रत्यूष शुक्ल, गीता देवी, देवमूर्ति द्विवेदी, अजीत कुमार, प्रशांत कुमार पाण्ड्डेय, शुभम, विवेक सिंह, दीक्षा द्विवेदी, राजकुमार, स्वाति पांडेय, हिमांशु चौरसिया उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय चित्रकला प्रदर्शनी का न्यायमूर्ति सुधीर नारायण अग्रवाल ने उद्घाटन किया

महाकुंभ नगर। संस्कार भारती की राष्ट्रीय है कला प्रदर्शनी का आयोजन एक बड़ी सफलता साबित हुई। महेश्वर परिसर सेक्टर 10 में आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन न्यायमूर्ति सुधीर नारायण अग्रवाल ने किया, जिसमें अश्विन दलवी, संस्कार भारती के अखिल भारतीय महामंत्री विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे एवं राज्य ललित कला अकादमी के उपाध्यक्ष गिरीशचद्र मिश्र मैं कलाकारों की प्रशंसा की।

प्रदर्शनी में प्रयागराज के युवा कलाकारों ने अपनी प्रतिभा दिखाई, जिसे देखकर लोगों ने जमकर तारीफ की। डॉ सचिन सैनी और रवीन्द्र कुशवाहा ने प्रदर्शनी का संयोजन किया, जिसमें संस्कार भारती महाकुंभ 2025 के शिविर संयोजक सुशील राय, डॉ योगेंद्र मिश्रा, दीपक शर्मा, डॉ इंदु शर्मा , नागेन्द्र श्रीवास्तव इत्यादि सैकड़ो कलाकार व दर्शक लोग मौजूद रहे।इसी क्रम में युवा कलाकारों तथा शिविर में सेवा देने वाले कलाकारों का सम्मान मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण अग्रवाल द्वारा सम्मान भी किया गया तथा उनको सर्टिफिकेट तथा शॉल देकर प्रोत्साहित किया गया। यह पांच दिवसीय राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी महाकुंभ 2025 के दौरान संस्कार भारती की एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई।

अस्थाई पेयजल व्यवस्था की।

प्रयागराज। महाकुम्भ मेला में श्रद्धालुओ की सुविधा के लिये पेयजल हेतु नगर क्षेत्र के कुल 104 स्थानो पर टैंकरो के द्वारा अस्थाई पेयजल व्यवस्था की जा रही है जिसे लगातार रिफिल कराकर लगाया जा रहा है, उक्त के अतिरिक्त 90 नग टी०टी०एस०पी० पेयजल हेतु मेला जाने वाले मार्गों एवं हाल्डिंग एरिया पर लगाये गये है। जलकल विभाग प्रयागराज के अतिरिक्त कुल 24 नग टैंकर विभिन्न नगर निगमों, नगर पालिका एवं नगर पंचायतो से मंगवाकर जलापूर्ति की जा रही है साथ ही नगर निगम द्वारा लगाये गये मोबाइल टॉयलेटो को डिस्लज कर एस०टी०पी०ध्एफ०एस०टी०पी० पर छोडा जा रहा है।

कुश्ती दंगल का आयोजन

महाकुम्भ नगर। महाकुंभ मेला 2025 में अखिल भारतीय श्री पंच रामानंदी खाखी अखाड़े के तत्वावधान में कुश्ती दंगल का आयोजन हुआ, जिसमें वैष्णव संप्रदाय के तीन और चतुर्संमप्रदाय के संतों ने भाग लिया। इस भव्य आयोजन की अध्यक्षता श्री महंत बाबा राम सुशील दास जी महाराज ने की। प्रमुख संतों में श्री महंत मोहन दास जी महाराज, अमृत दास खाखी, भगवान दास खाखी, प्रहलाद दास जी महाराज, पंकज दास जी, राम मनोहर दास निरमोही, वाही गुरु, गूगल बाबा, और रामदास जी शामिल थे। इनकी देखरेख में समस्त कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

38 बार रक्तदान कर पेश की मिसाल– जयप्रकाश शुक्ल

सुल्तानपुर(आरएनएस)। सुल्तानपुर जिले के बरौंसा निवासी जय प्रकाश शुक्ल की दिनचर्या ही जरूरतमंदों की मदद करना है। 38 बार रक्तदान कर समाज सेवा की अनोखी मिसाल पेश की है। उड़ीसा रथ यात्रा में प्राथमिक उपचार के लिए वहां राज्यपाल के हाथों दो बार और उत्तर प्रदेश के राज्यपाल द्वारा एक बार सम्मानित भी किया जा चुका है। इस समय जयप्रकाश अपनी टीम के साथ प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ मेले में हैं। वहां स्वास्थ्य शिविर लगाकर श्रद्धालुओं की निशुल्क सेवा करेंगे।

इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी एवं सेंट जान एंबुलेंस ब्रिगेड दिल्ली में कोर कमांडर के पद पर तथा इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी जनपद सुल्तानपुर में 6 साल से सचिव के रूप में जनपद में कार्य करते हुए कोविड–19 में थर्मल, स्कैनिंग, सैनिटाइजिंग, मार्क्स वितरण 14 हजार लोगों को भोजन वितरण 2500 परिवारों को कच्चा राशन एवं 800 परिवारों को किचन सेट 12000 परिवारों को कंबल, चद्दर, हाइजीन किट और तिरपाल, सोलर लाइट अग्नि पिडीत 600 परिवार को किचन सेट बाल्टी, तेल, साबुन, ब्रश, मंजन, चद्दर, कंबल, टी–शर्ट एवं राशन उपलब्ध कराया गया। प्रतिवर्ष जनपद में महिला कैदियों के लिए हाइजीन कीट एवं साल उपलब्ध कराई जा रही है। 500 रोड पर घायल अस्था में हास्पिटल पहुंचाया गया है। 6 साल से लगभग प्रति वर्ष उड़ीसा रथ यात्रा में प्राथमिक उपचार तथा दो 2 बार माननीय उड़ीसा राज्यपाल महोदय द्वारा सम्मानित किया गया।

एक बार उत्तर प्रदेश माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा सम्मानित किया गया। 400 लोगों का अभी तक छयरोग पीड़ित 18 साल के अंदर के बच्चों को गोद लिया गया। दिल्ली कामनवेल्थ गेम्स में यमुना स्पोर्ट्स में

कार्यालय कर विभाग, नगर निगम, प्रयागराज

जोन कार्यालय जोन–01 खुल्दाबाद

सार्वजनिक सूचना

एतद द्वारा निम्नलिखित भवन संख्या के स्वामियों क्रेतागणों, वारिसानों व अन्य सम्बन्धियों को सूचित किया जाता है कि निम्न भवनों के नाम परिवर्तन की कार्यवाही कर विभाग जोन-01 खुल्दाबाद में विचाराधीन है। सम्बन्धित पक्षों को धारा 213 की नाटिस पंजीकृत डाक से भेजी जा चुकी है एवं सम्बन्धित भवन पर चस्पा करवाई गई है। आपत्तिकर्ता सम्पूर्ण प्रमाणों सहित विज्ञापन की तिथि से 15 दिनों के अन्दर आपत्ति दाखिल कर दे अन्यथा एक पक्षीय कार्यवाही पूर्ण हो जायेगी।

क्र. सं.	रजि0 सं0	भवन संख्या	अभिलेखों में दर्ज नाम	दर्ज होने वाले का नाम	दर्ज आधार पंजीकृत
1	984	ए422/3, करैली स्कीम	रामेश्वर दयाल	मो0 तारिक सिद्दीकी	पं0 बैनामा
2	985	205डब्लू/एल/8जी/786, कसारी मसारी	मोहम्मद जावेद अंसारी	हुमैरा बेगम	पं0 बैनामा
3	986	एम0आई0जी0 72, कालिन्दीपुरम आवास योजना	विनोद कुमार सिंह	सुमित यादव	पं0 बैनामा
4	987	ई 103, करैली	अनीस उल्ला	सिराज अहमद	पं0 दानपत्र
5	988	196एच/11ए, करैली	हरी प्रसाद	राम बाबू केशरवानी	वरासतन
6	989	बी 518, करैली स्कीम	बहरूल उलूम	परावज उलूस आदि	वरासतन
7	990	220ए, ओम प्रकाश सभासद नगर	निर्मला सिंह	आलोक सिंह	पं0 दानपत्र
8	991	246के, ओम प्रकाश सभासद नगर	मनीषा त्रिपाठी	संगम लाल त्रिपाठी आदि पुत्र स्व0 रामराज त्रिपाठी	वरासतन
9	992	197/12के/जे6, करैली	आर्नेस्ट ओलिवर आस्टिन	सुनीता सेलबिन आदि	वरासतन
10	993	127/295, बेनीगंज	सुषमा श्रीवास्तव	विशाल श्रीवास्तव एवं आकाश दीप श्रीवास्तव पुत्रगण विजय कुमार श्रीवास्तव	दानपत्र
11	994	53/37, लूकरगंज	रामेशक दयाल	पवन टण्डन पुत्र स्व0 रामेश्वर दयाल टण्डन	वरासतन
12	995	8के/13ए, चकनिरातुल	भोलेश्वर नाथ	भोलेश्वर नाथ पुत्र स्व0 ज्ञान प्रकाश	वरासतन
13	996	103/86, लूकरगंज	अक्षय गुप्ता	अक्षय गुप्ता पुत्र ओमप्रकाश	दानपत्र
14	997	46/62, नूरउल्लारोड	एहसान उल्ला	मो0 फरहान उल्ला पुत्र स्व0 एहसान उल्ला	वरासतन
15	998	45/61, नूरउल्लारोड	एहसान उल्ला	मो0 फरहान उल्ला पुत्र स्व0 एहसान उल्ला	वरासतन
16	999	1913/1ए/1, पुरामदारी	इरशाद अहमद	सरोज अहमद	दानपत्र
17	1000	27बी/1बी/1, ऐनउद्दीनपुर	नूरूल हसन	फातिमा पत्नी स्व0 नूरूल हसन	वरासतन
18	1001	61/1ए/78, भावापुर	सत्येन्द्र भूषण गुप्ता	दीप्ती गुप्ता पत्नी स्व0 सत्येन्द्र भूषण गुप्ता व उदयमान गुप्ता पुत्र स्व0 सत्येन्द्र भूषण गुप्ता व रीता गुप्ता पत्नी स्व0 अमित गुप्ता	वरासतन
19	1002	47/63, नूरउल्लारोड	एहसान उल्ला	मो0 फरहान उल्ला आदि	वरासतन
20	1003	167/107, लूकरगंज	द्रौपदी देवी	संजय मंध्यान आदि	वरासतन
21	1004	1334/8एम/86, ऐनउद्दीनपुर	शादमा एजाज	रिजवान अहमद सिद्दकी	पं0 बैनामा
22	1005	18एच/1एच, चौकी करामत	अयाज अहमद	बानो बेगम पत्नी मोहम्मद अतहर	पं0 बैनामा
23	1006	18ई/35बी/11एल, चौकी करामत	सूफी नूरउद्दीन	मीना पत्नी स्व0 सूफी नूरउद्दीन	वरासतन
24	1007	335/431, पूरामनोहरदास	मो0 नजीर खान	मोहम्मद कलीम खान	वरासतन
25	1008	बी22, करैली स्कीम	बलराम प्रसाद श्रीवास्तव पुत्र स्व0 गोविन्द प्रसाद व अनिल कुमार श्री एवं अरूण कुमार श्री	रईस अहमद पुत्र स्व0 पीर मोहम्मद	पं0 बैनामा
26	1009	बी 1079/1 करैली स्कीम	सूफिया बानो	मोबिन अहमद पुत्र स्व0 बुद्धा उर्फ अनवरल	पं0 बैनामा
27	1010	बी0पी0सी0 786/11ए, करैली	इमरान हस्सान फारूकी व फैजान मो0 हस्सान एवं फुरकान मोहम्मद हस्सन फारूकी एवं फरहीन फारूकी पुत्र/पुत्री हस्सन फारूकी	शाफिया बेगम पत्नी शकील अहमद	पं0 बैनामा
28	1011	235एन/1बी, करैलाबाग	राधा देवी	अर्पित केसरवानी	पं0 बैनामा
29	1012	196एच/11सी, करैली	श्याम जी केशरवानी व सुनीता केसरवानी	दर्ज नाम के साथ रानी साहू का विभाजन दर्ज होगा	पं0 बैनामा
30	1013	2जी/9एम/10आर, ओ0पी0एस0 नगर	पुष्पारानी पत्नी स्व0 गंगा प्रसाद	शशिकान्त धुरिया	वरासतन
31	1014	1जी/40डी//1, कालिन्दीपुरम	डाली घोष	पपिया चोधरी	वरासतन
32	1015	74/72, कसारी मसारी	अफसार अहमद एजाज अहमद व नियाज अहमद व दिलशाद अहमद	शाहीन बेगम पत्नी एजाज आदि	पं0 बैनामा
33	1016	ई5/1, करैली स्कीम	रफीका पत्नी नसीर उद्दीन	नसीर उद्दीन पुत्र मोहीउद्दीन आदि	वरासतन
34	1017	190 जी/4एम, ओ0पी0एस0 नगर	भीमसेन मिश्र पुत्र मथुरा प्रसाद	नवल किशोर मिश्रा आदि	वरासतन
35	1018	आर0के0 205, कालिन्दीपुरम	पवन मिश्र पुत्र माता फेर मिश्र	अनीता मिश्रा आदि	वरासतन
36	1019	175/22सी/1, ओ0पी0एस0 नगर	विजय लक्ष्मी सिंह	बृजेश कुमार	वरासतन
37	1020	11क्यु/4के, कसारी मसारी	जेबा फात्मा	तनवीर फात्मा	पं0 बैनामा
38	1021	172के/3ई, कसारी मसारी	रूबेदा बेगम	जावेद हसन एवं मोहम्मद खुर्शीद अली	वरासतन
39	1022	बी 1015, करैली स्कीम	देव कली कुशवाहा	सुनील कुमार कुशवाहा आदि	वरासतन
40	1023	39डी/2पी/1, करैली	रफीका	नसीर उद्दीन आदि	वरासतन
41	1024	265/100, करबला	इन्दिरा देवी	राजेश कुमार वगैरह	वरासतन
42	1025	17ए/25एच, बेनीगंज	मंगल रावत	उर्मिला रावत पत्नी रामदीन	बैनामा
43	1026	342ए/414, पुरा मनोहरदास	कुमारी समरीन बेगम	मो0 माशूक वगैरह	वरासतन
44	1027	42आर/बीआर/6जेड, ऐनउद्दीनपुर	कुलसुम कौसर	फरहा नाज	पं0 बैनामा
45	1028	314/201,लूकरगंज	रामदीन वगैरह	दर्ज नामो मे रामदीन व सुहदवती का नाम खारिज किया जायेगा शेष नाम यथावत रहेगा	वरासतन
46	1029	223/3ए, हिम्मतगंज	अशोक कुमार वगैरह	दर्ज सहस्वामी अशोक कुमार के स्थान पर मनोज कुमार वगैरह	पं0 बैनामा
47	1030	138/69डी, चकिया	प्यारेलाल	विन्देश्वरी प्रसाद व जगदीश प्रसाद	वरासतन
48	1031	61के/2ए, भावापुर	प्रवीण कुमार जयसवाल वगैरह	दर्ज नामो मे प्रवीण कुमार जयसवाल का नाम खारिज होगा शेष नाम यथावत रहेगा	पं0 दान–पत्र
49	1032	109ई/1, बेनीगंज	आशुताष कुमार	दर्ज नामो के स्थान पर आशुतोष कुमार व आशीष कुमार व अवधेश कुमार व जया श्रीवास्तव आदि	वरासतन
50	1033	360बी/541/22, सुल्तानपुर भावा	सन्तोष कुमार	सन्तोष कुमार पुत्र स्व0 मोती लाल उर्फ मोती राम	वरासतन

पत्रांक : 3378/ज.सर्म.अधि./2025
दिनांक–05.02.2025

जोनल अधिकारी,
जोन-01 नगर निगम प्रयागराज

मणिपुर के सीएम ने संगम में लगाई आस्था की डुबकी, राष्ट्र की समृद्धि के लिए की प्रार्थना

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में डुबकी लगाते हुए उन्होंने देश की शांति, एकता और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। स्नान के पश्चात मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया में पोस्ट करते हुए कहा कि इस पावन संगम में खड़े होकर दिव्यता का आलिंगन होता है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने बृहस्पतिवार को संगम में आस्था की डुबकी लगाई। उन्होंने इस अलौकिक क्षण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर देने वाला अनुभव बताया। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में डुबकी लगाते हुए उन्होंने देश की शांति, एकता और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। स्नान के पश्चात मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया में पोस्ट करते हुए कहा कि इस पावन संगम में खड़े होकर दिव्यता का आलिंगन होता है। इसका शीतल जल केवल शरीर को नहीं, बल्कि आत्मा को भी शुद्ध करता है और जीवन के समस्त बोझ हर लेता है। इस शुभ अवसर पर उनके साथ मणिपुर सरकार के मंत्री मंडल सहयोगी व विधायक भी उपस्थित रहे।

58 साल पहले बिंदु का देश तो छूटा पर गंगा से रिश्ता नहीं टूटा

प्रयागराज। 58 साल पहले बिंदु का देश तो छूट गया, लेकिन उनका गंगा से रिश्ता नहीं टूटा। वो 36 साल से लगातार अर्धकुंभ और महाकुंभ में कल्पवास करने के लिए आ रही हैं। देश तो 58 साल पहले ही छूट गया था, लेकिन मां गंगा से नाता आज तक नहीं टूट सका। अर्धकुंभ हो चाहें महाकुंभ बिंदु देवी कल्पवास के लिए पिछले 36 वर्षों से यहां पहुंच रही हैं। 80 साल की बिंदु गंगा से एकदम अपनी मां की तरह ही प्रेम करती हैं। यही कारण है कि हर साल माघ के महीने में संगम के तट पर स्नान करने जरूर आती हैं। 1966 में बिंदु भारत से थाईलैंड चली गईं और वहीं की होकर रह गईं। त्रिवेणी के तट पर कल्पवास के लिए पहुंचीं बिंदु हर रोज गंगा में डुबकी लगा रही हैं। मूलरूप से गोरखपुर की रहने वाली बिंदु का शरीर अब अशक्त भी हो चुका है। इसीलिए दामाद और बेटी उनको कल्पवास कराने के लिए लेकर आए हैं। बिंदु देवी ने बताया कि वह पूरी तरह से कल्पवास के नियमों का पालन कर रही हैं। दर्शन, पूजन, स्नान और ध्यान नियमित रूप से हो रहा है। बताया कि वह अभी तक तीन महाकुंभ और कई अर्धकुंभ में शामिल हो चुकी हैं। इस बार थाइलैंड से सीधे प्रयागराज महाकुंभ में शामिल होने के लिए पहुंची हैं। बिंदु ने बताया कि 1966 में शादी के बाद पति सभाजीत राम त्रिपाठी के साथ ही थाइलैंड में बस गई थीं। पति का निधन 1980 में होने के बाद चार बेटों और दो बेटियों की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। चार बेटों में से दो मल्टीनेशनल कंपनी में इंजीनियर हैं, जबकि बाकी दो बड़ी कंपनियों में कार्यरत हैं। एक बेटी साइंटिस्ट और दूसरी माधवी भारत में ही रहती है। बिंदु देवी के दामाद विद्यारत्न ने बताया कि उनकी सास पिछले 36 सालों से हर साल कल्पवास के लिए प्रयागराज आती हैं। यहां हम लोगों ने एक एक टेंट बुक किया और एक महीने तक रहकर उनके साथ कल्पवास करते हुए प्रतिदिन स्नान और पूजा पाठ कर रहे हैं। बेटी माधवी ने बताया कि वह भी मां के साथ प्रतिदिन संगम किनारे पहुंचती हैं। कहा कि यह उनके लिए सौभाग्य की बात है कि मां के साथ प्रयागराज में कुंभ की डुबकी लगाने का मौका मिला। बताया कि मां थाईलैंड रहती जरूर हैं, लेकिन वह हर वर्ष कल्पवास के लिए यहां आती हैं।

महाकुंभ में होंगी मलखंब, कबड्डी, कुश्ती प्रतियोगिता, 13 फरवरी तक होगा प्रदर्शन

प्रयागराज। महाकुंभ में क्रीड़ा भारती की ओर से खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। इसके साथ ही इस दौरान खेलों पर सेमिनार व परिचर्चा भी होगी। प्रतियोगिताओं का आयोजन 6 से 13 फरवरी तक सेक्टर–10 प्रयागराज महाकुंभ मेला क्षेत्र होगा। इसमें कबड्डी, मलखंब, कुश्ती और खो–खो बालकबालिका और महिलाधपुरुष वर्ग की प्रतियोगिता होंगी। खिलाड़ियों के ठहरने और भोजन की व्यवस्था आयोजकों द्वारा की गई है। ब्रज प्रांत अध्यक्ष डॉ. रीनेश मित्तल, मंत्री रोहित ने बताया की कबड्डी प्रतियोगिता 6 से 8 फरवरी तक मलखंब प्रतियोगिता 8–9 फरवरी तक कुश्ती प्रतियोगिता 8–9 फरवरी तक और खो–खो प्रतियोगिता 10 से 12 फरवरी तक आयोजित होगी। प्रतियोगिता में देशभर से अलग–अलग प्रदेशों के खिलाड़ी प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे। विजेताओं को जूनियर वर्ग में 25 हजार व सीनियर वर्ग में 50 हजार रुपये पुरस्कार दिया जाएगा। खेल मेले के संयोजक सीताराम ने बताया कि ब्रज प्रांत के आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, अलीगढ़, बरेली, शाहजहांपुर, बदायूं, कासगंज, एटा के लोग प्रतियोगिता संपन्न कराने और व्यवस्थाओं के लिए जाएगे। 17 से 19 फरवरी प्रदेशीय समन्वय सीनियर महिला कुश्ती प्रतियोगिता वाराणसी में आयोजित होगी। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली आगरा मंडल की टीम का जिलास्तरीय ट्रायल 11 फरवरी को सुबह 11 बजे से एकलव्य स्टेडियम में होगा। 19 से 24 फरवरी तक प्रदेशीय सीनियर महिला हॉकी प्रतियोगिता झांसी में होगी। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली आगरा मंडल की टीम का जिलास्तरीय ट्रायल 12 फरवरी को सुबह 11 बजे से एकलव्य स्टेडियम में होगा। ट्रायल में किसी भी आयुवर्ग की महिला खिलाड़ी प्रतिभाग कर सकती हैं।

पीएम मोदी के लिए खास है अष्टमी तिथि का संयोग, 2019 में भी यही था योग

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को जिस मुहूर्त में संगम में स्नान किया वह दुर्लभ और – जप, तप और ध्यान के लिए बेहद शुभ माना जाता है। वर्ष 2019 के कुंभ में भी संगम में डुबकी लगाई थी। संयोग यह है कि 2019 में भीमा अष्टमी तिथि पर भरनी नक्षत्र और शुक्ल योग था और गुप्त नवरात्रि चल रही थी, वही योग महाकुंभ में मोदी के संगम में डुबकी लगाते समय भी रहा।

इस समय भी गुप्त नवरात्रि चल रही है जो सात फरवरी तक है। गुप्त नवरात्रि को ध्यान, साधना, पूजन और सिद्धि के लिए बेहद अहम माना जाता है। शारदीय और वासंतिक नवरात्रि की तरह गुप्त नवरात्रि भी वर्ष में दो बार माघ और आषाढ़ माह में आता है। मोदी के लिए यह योग काफी अहम है, क्योंकि 2014 में पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेते समय भी यही योग था।

2019 के कुंभ में पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सफाईकर्मी प्यारे लाल, ज्योति, चौबी, होरीलाल और नरेश कुमार के पांव पखार कर सामाजिक समरसता का भी संदेश दिया था। इसके बाद हुए लोकसभा चुनाव में पीएम ने प्रचंड जीत दर्ज कर दूसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। पीएम पांव पखारेंगे ऐसी कल्पना भी

सम्मान प्राप्त करने वाले सफाई कर्मचारियों ने नहीं की थी।

पीएम जब पांव पखार रहे थे तो यह पांचों सफाई कर्मचारी मानो निशब्द थे, बस नम आंखें ही बोल रही थीं। कुंभ नगरी के गंगा पंडाल के इस नजारे को देखकर अन्य सफाईकर्मियों तथा स्वच्छाग्रहियों की भावनाएं ऊफान पर थीं तो मोदी ने भी इसे अपने जीवन का सबसे अविस्मरणीय पल बताया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को भक्ति–प्रेम–ज्ञान रूपी गंगा–यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम तट पर लगे विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक समागम वाले महाकुंभ में अपने मौन से पूरी दुनिया का ध्यान खींचा। मोदी ने विशेष मुहूर्त में अमृतमयी त्रिवेणी में 11 डुबकी लगाईं। भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही मां गंगा का दुग्धाभिषेक कर देशवासियों के आरोग्य और कल्याण की कामना भी की।

मौनी अमावस्या स्नान हादसे के आठ दिन बाद बुधवार को पीएम मोदी सुबह करीब 10 बजे बमरौली एयरपोर्ट पर उतरे। वहां से हेलीकॉप्टर से डीपीएस मैदान में उतरे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उन्हें लेकर अरैल घाट से मोटर बोट के जरिये 10रू49 बजे संगम पहुंचे। मोदी–मोदी के नारों के बीच उन्होंने जेटी से ही जनता का अभिवादन किया।

सिंदूरी लाल ट्रैक सूट और नारंगी धारियों वाले गहरे नीले रंग का पायजामा पहने पीएम मां गंगा को प्रणाम करते हुए आगे बढ़े। गले में रुद्राक्ष की माला और हाथ में जप के लिए माला लिए पीएम ने गुप्त नवरात्र में भीमा अष्टमी तिथि पर भरनी नक्षत्र और पावन शुक्ल योग में स्नान किया। मंत्रोच्चार कर रहे पुजारियों के मुताबिक पीएम ने कुल 11 डुबकियां लगाईं।

इसके बाद सूर्य को अर्घ्य देकर पूर्वाभिमुख होकर करीब 10 मिनट तक रुद्राक्ष की माला जपी। पीएम ने मां गंगा को चुनरी चढ़ाई। तांबे की लुटिया में लाए जल से सोना, काला तिल के साथ तर्पण–अर्पण भी किया।

स्नान के बाद काले रंग का कुर्ता व जैकेट, हिमाचली टोपी, सफेद पायजामा और गले में केसरिया गमछा डाले पीएम को पुजारी राजेश तिवारी, अभिषेक शुक्ला और गिरीश मिश्रा ने षोडशोपचार विधि से मां गंगा का दुग्धाभिषेक, आरती और सविधि पूजन कराया। पीएम ने देशवासियों के सुख–समृद्धि, आरोग्य और कल्याण की कामना की। पीएम कुल 39 मिनट तक संगम तट पर रहे। फिर, 11रू28 बजे सीएम योगी के साथ मोटर बोट पर सवार होकर अरैल स्थित हेलीपैड की तरफ बढ़े। भीड़ की ओर से मोदी–मोदी की गूंज सुनकर उन्होंने लोगों का अभिवादन किया। इस दौरान रास्ते भर सीएम ने उन्हें महाकुंभ के आयोजन से जुड़ी जानकारियां भी दीं।

लौटने के बाद एक्स हैंडल पर पीएम मोदी ने संगम में स्नान की तस्वीरों को साझा करते हुए लिखा.. . मां गंगा का आशीर्वाद पाकर मन को असीम शांति और संतोष मिला। दूसरी पोस्ट में कुछ और तस्वीरों को साझा करते हुए पीएम ने लिखा कि प्रयागराज के दिव्य–भव्य महाकुंभ में आस्था, भक्ति और अध्यात्म का संगम हर किसी को अभिभूत कर रहा है।

पीएम इसके पहले 13 दिसंबर–24 को संगम आए थे। उस दौरान उन्होंने एक सभा को भी संबोधित किया था। हालांकि, इस बार वह जलमार्ग से संगम तक आए और यहीं से लौट गए। वीआईपी मूवमेंट से श्रद्धालुओं को कोई तकलीफ न हो, इसलिए अन्य जगहों का कार्यक्रम नहीं रखा।

13 जनवरी को पौष पूर्णिमा से शुरू हुए विश्व से इस सबसे बड़े सांस्कृतिक–धार्मिक समागम महाकुंभ में अब तक 39 करोड़ से अधिक लोग संगम में स्नान कर चुके हैं। महाकुंभ का आखिरी स्नान 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर होगा।

महाकुंभ में भीड़ बढ़ने के बाद पांटून पुल बाइक के लिए किए गए बंद, श्रद्धालुओं में भारी उबाल

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। महाकुंभ में पुल नंबर 19 पुल बंद करने के बाद लोगों में जबर्दस्त आक्रोश है। भीड़ बढ़ने के बाद प्रशासन ने अधिकांश पुलों को बंद कर दिया गया है। इससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वीआईपी आवागमन होने के कारण पुलों को बंद कर दिया गया है। लोगों को एक दूसरे पुल पर भेजा जा रहा है, लेकिन जब श्रद्धालु दूसरे पुल पर पहुंच रहे हैं तो वहां भी पुल बंद मिल रहा है। इस तरह लोग एक दूसरे पुल का चक्कर काट रहे हैं। पुलों के दोनों तरफ लोगों की भारी भीड़ है। महाकुंभ में भारी भीड़ के चलते प्रयागराज–वाराणसी राजमार्ग पर बना पक्का पुल (शास्त्री सेतु) पर सुबह से ही जाम लगा है और वाहन रेंग रहे हैं। इसी तरह पांटून पुल भी बंद कर दिया गया है। इससे लोग एक दूसरे तरफ नहीं जा पा रहे हैं। अगर पैदल जाने दिया जा रहा है तो दो पहिया वाहनों को पुल से नहीं गुजरने दिया जा रहा है। वाहनों के लिए मेला क्षेत्र चार फरवरी तक नो व्हीकल जोन घोषित किया गया था, लेकिन छह फरवरी को भी वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। पैदल श्रद्धालुओं के लिए कुछ पुल खुले हैं, लेकिन दो पहिया वाहनों को पुल से गुजरने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। इससे वाहनों की लंबी कतार लग गई है। अपने वृद्ध परिजनों को बाइक पर बैठाकर मेला क्षेत्र में पहुंचे श्रद्धालु काफी परेशान हैं। माना जा रहा था कि वसंत पंचमी अमृत स्नान के बाद मेले की व्यवस्था दुरुस्त हो जाएगी और लोग कम से कम दो पहिया वाहनों से मेले में जा सकेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। तीन फरवरी को वसंत पंचमी बीतने के बाद भीड़ काफी बढ़ गई है। वाहनों का भारी दबाव होने के कारण अधिकांश पांटून पुलों पर बाइक की एंट्री रोक दी गई है। कुछ पांटून पुल रिजर्व रखे गए हैं, जिन पर सिर्फ प्रशासन और पुलिस के वाहनों के अलावा वीआईपी गाड़ियों का आवागमन हो रहा है।

साढ़ेपांच सौ साल बाद दिगंबर अनी अखाड़े में लोकतंत्र, सभी पदाधिकारियों का कार्यकाल हुआ तय

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। प्रयागराज महाकुंभ के दौरान वैष्णवों के सबसे बड़े दिगंबर अनी अखाड़े ने अपनी करीब साढ़े पांच सौ साल पुरानी परंपरा छोड़कर लोकतांत्रिक ढांचे की ओर कदम बढ़ा दिया। प्रयागराज महाकुंभ के दौरान वैष्णवों के सबसे बड़े दिगंबर अनी अखाड़े ने अपनी करीब साढ़े पांच सौ साल पुरानी परंपरा छोड़कर लोकतांत्रिक ढांचे की ओर कदम बढ़ा दिया। अन्य दोनों अनी अखाड़े की तरह दिगंबर अनी अखाड़े में भी अब न सिर्फ सभी अहम पदों के चुनाव होगा बल्कि उनका कार्यकाल भी बारह साल के लिए तय कर दिया। अभी तक अखाड़े के पदाधिकारियों का कोई कार्यकाल तय नहीं रहता था। अखाड़े के अध्यक्ष, महामंत्री समेत अन्य पदाधिकारी आजीवन इस पद पर बने रहते थे। महाकुंभ के दौरान नए पदाधिकारी भी चुन लिए गए। अखिल भारतीय श्रीपंच दिगंबर अनी अखाड़े को छोड़कर अनी निर्वाणी एवं निर्मोही अखाड़े में व्यवस्था संचालन के लिए हर बारह साल में पदाधिकारियों का चुनाव होता है। लेकिन, दिगंबर अनी अखाड़ा में यह व्यवस्था लागू नहीं थी। अखाड़े के पदाधिकारी आजीवन पद पर बने रहते थे। उनकी मृत्यु अथवा किसी अन्य वजह से स्थान खाली हो जाने पर ही नए सदस्य को कार्यकारिणी में जगह मिलती थी। पिछले करीब साढ़े पांच सौ साल से अखाड़े में यही परंपरा काम कर रही थी। प्रयाग महाकुंभ के दौरान दिगंबर अखाड़े ने अपनी परंपरा बदलने का फैसला किया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमहंत माधव दास मौनी बाबा बताते हैं अखाड़े ने पहली दफा सभी पदाधिकारियों का कार्यकाल बारह साल के लिए तय करते हुए पहली दफा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, दो मंत्री, कोषाध्यक्ष समेत महंत पद के लिए चुनाव कराए गए। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष वैष्णव दास (अयोध्या), महामंत्री बलराम दास (उज्जैन), मंत्री जानकी दास (फरीदाबाद) पुजारी सीताराम दास (छत्तीसगढ़) बनाए गए। आम सहमति से इनका चुनाव हुआ। अब अगले बारह साल तक यह पदाधिकारी अखाड़े की बागडोर संभालेंगे। अगले प्रयाग कुंभ के दौरान फिर से चुनाव होगा। इनकी अगुवाई में ही अखाड़े ने कुंभ पूर्व पूरा किया।

दिगंबर अनी अखाड़ा अन्य दोनों अनी अखाड़ों के मुकाबले सबसे बड़ा माना जाता है। अखाड़े की पूरे देश में छह बैठक– अयोध्या, पुरी, नासिक, चित्रकूट, उज्जैन एवं वृंदावन में है। अखाड़ा पदाधिकारियों का कहना है पूरे देश में इससे जुड़े लाखों साधु–महात्मा फैले हुए हैं। यह खलासों में विभाजित हैं। अखाड़ों से जुड़े श्रद्धालुओं की संख्या भी करोड़ों में है। अखाड़े के नियंत्रण में देश भर के तमाम मठ–मंदिर हैं। खेती योग्य जमीन के साथ अरबों की संपत्ति है। अखाड़ा पदाधिकारियों के मुताबिक दिगंबर अनी अखाड़े की स्थापना स्वामी बालानंदाचार्य ने वर्ष 1475 में की थी। इसके बाद अखाड़े ने समय–समय पर अपना विस्तार किया। इसमें बल्लभानंदचार्य, अनुभवनंदाचार्य जैसे संतों की भूमिका सबसे अधिक रही। अखाड़े की धर्मध्वजा में पांच रंग (लाल, पीला हरा, सफेद एवं काला) अलग–अलग समूहों को स्थान देने के लिए शामिल किए गए। साधु–महंत राम एवं कृष्ण की उपासना करते हैं। अखाड़े के ईष्टदेव हनुमान जी महाराज हैं। संत सफेद वस्त्र धारण करने के साथ ही त्रिपुंड लगाते हैं।

'छह दिन होय गै पिता को खोजत, वय जिंदा हैं या मर गएओ...', पिता की तलाश में छह दिन से भटक रहा बेटा

प्रयागराज। महाकुंभ में मौनी अमावस्या की रात संगम में हुए हादसे के बाद से मध्यप्रदेश के सागर के रहने वाले बुजुर्ग लापता हैं। पिता की तलाश में छह दिन से बेटा भटक रहा है। बेटा छह दिन से मोर्चरी और अस्पताल के चक्कर काट रहा है।

छह दिन होय गै पिता को खोजत। वय जिंदा हैं या मर गएओ, यऊ बताय वाला कोउ नाय। पुलिसवालन अस्पताल भेजत हैं, अऊ डाक्टर मुरदाघर। अब तक हमाए पिता का कोई पता नाय। कहां जाएं, का करयं।

मध्य प्रदेश के सागर के रहने वाले अशोक पटेल इतना कहते हुए फूट–फूट कर रोने लगे। वह उन लोगों में से हैं, जो मौनी अमावस्या के बाद से एक पल भी चौन की सांस नहीं ले सके हैं। हादसे वाली रात से गायक पिता की तलाश में वह सात दिन से अस्पताल से मोर्चरी और मोर्चरी से अस्पताल के चक्कर काट रहे हैं।

हर बीतते दिन के साथ अब पिता के मिलने की उम्मीदों के साथ उनकी खुद की हिम्मत भी जवाब देने लगी है। फिलहाल बची–कुची हिम्मत के सहारे वह अपने पिता को तलाशने में दिन रात एक किए हुए हैं।

अशोक मूलरूप से मध्य प्रदेश के सागर जिले के गुंजोरा गांव के रहने वाले हैं। उनके 60 वर्षीय पिता तिजई पटेल मौनी अमावस्या पर गांव के 10–15 लोगों के साथ स्नान के लिए संगम पहुंचे थे। अशोक बताते हैं अगले दिन साथ गए गांव के लोग लौट आए, लेकिन उनके पिता नहीं आए। पूछने पर बताया कि मौनी अमावस्या की रात संगम में हुए हादसे के बाद से वह लापता हैं।

बहुत खोजा लेकिन उनका कुछ पता नहीं चला। इसके बाद वह खुद एक रिश्तेदार के साथ यहां आकर पिता की तलाश में जुट गए। छह दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक कुछ पता नहीं चल पाया है। अशोक कहते हैं कि उन्हें कुछ नहीं चाहिए। बस उनके पिता सही सलामत मिल जाएं। शासन प्रशासन से हाथ जोड़कर यही मिन्नत करते हैं कि पिता को ढूंढने में उनकी मदद की जाए।

महाकुंभ से कई श्रद्धालुओं के लापता होने की खबरों के बीच बिहार निवासी महिला का शव बिना कार्रवाई के ले जाने का दबाव बनाने का आरोप भी लगा है। इस संबंध में एक एक्स हैंडल से किया गया पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, अमर उजाला इस तरह के किसी पोस्ट की पुष्टि नहीं करता है।

इस पोस्ट में दावा किया गया है कि 29 जनवरी को बिहार निवासी 52 वर्षीय सुनैना देवी सेक्टर 21 में हुए हादसे के बाद लापता हो गई थीं। पोस्ट में यह भी लिखा कि उनके बेटे नीतम पटेल ने आरोप लगाया कि काफी खोजबीन के बाद चार फरवरी को उसकी मां का शव मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में मिला।

आरोप है कि वहां प्रशासन ने बिना किसी कार्रवाई के शव ले जाने की जबरदस्ती की, ताकि आधिकारिक मृतकों की सूची में उनका नाम शामिल न हो पाए। 30 मृतकों की सूची में उनका नाम शामिल भी नहीं है। हॉस्पिटल प्रशासन पर आरोप है कि बिना पोस्टमार्टम के ही शव ले जाने का दबाव बनाया गया। हालांकि, पोस्ट में लगाए गए आरोपों की पुष्टि नहीं हुई है।

वास्तुविद, डॉक्टर, आईटी डेवलपर ने गुरु दीक्षा लेकर अपनाया सनातन धर्म

प्रयागराज। शक्तिधाम के शिविर में वास्तुविद, डॉक्टर, आईटी डेवलपर ने गुरु दीक्षा लेकर सनातन धर्म अपना लिया। शांति की कामना से वास्तुविद, डॉक्टर, आईटी डेवलपर के अलावा कई प्रोफेशनल्स ने गुरु मंत्र लिया। महाकुंभ में आने वाला हर व्यक्ति सनातन के रंग में रंगा नजर आ रहा है। शक्तिधाम के शिविर में बुधवार को 61 विदेशी श्रद्धालुओं ने गुरु दीक्षा लेकर सनातन धर्म को मन से अपनाया। शांति की कामना से वास्तुविद, डॉक्टर, आईटी डेवलपर के अलावा कई प्रोफेशनल्स ने गुरु मंत्र लिया। बुधवार को सेक्टर 17 में स्थित शक्तिधाम आश्रम में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि–विधान से 61 विदेशी श्रद्धालुओं ने जगद्गुरु साईं मां लक्ष्मी देवी से दीक्षा ली और सनातन को अंगीकार किया। विदेशी श्रद्धालु ऊं नमः शिवाय की धुन पर नाचते–गाते दिखे। सांई मां लक्ष्मी देवी ने कहा कि हजारों साल पुराना सनातन धर्म अपने हाथ में अद्भुत है। नशे और तनाव में डूबे हुए आज के युवाओं को सही राह सनातन ही दिखा सकता है। गुरु दीक्षा लेने वाली बेल्जियम में अस्थि रोग चिकित्सा के क्षेत्र में काम करने वाली कैथरीन गिल्डेमिन कहती हैं कि रोजमर्रा के जीवन की भाग–दौड़ ने उनके जीवन में काफी तनाव बढ़ा दिया था। व्यक्तिगत जीवन भी ठीक नहीं चल रहा था।

महाकुंभ मेला 2025 के दौरान अतिरिक्त विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए महाकुंभ मेला-2025 के दौरान अतिरिक्त विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 07117/07118 तिरुपति-दानापुर-तिरुपति महाकुंभ मेला विशेष रेलगाड़ी

07117 तिरुपति-दानापुर		स्टेशन	07118 दानापुर-तिरुपति	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	23:45 (शुक्र.)	तिरुपति	13:55 (बुध.)	--
15:53	15:55	मानिकपुर जं.	23:10	23:12
17:45	17:50	प्रयागराज छिवकी	20:25	20:30
19:03	19:05	मिर्जापुर	19:10	19:12
23:55 (रवि.)	--	दानापुर	--	15:15 (सोम.)

तिरुपति सेः- गाड़ी सं. 07117, दिनांक 14.02.2025 (शुक्रवार) को। दानापुर सेः- गाड़ी सं. 07118, दिनांक 17.02.2025 (सोमवार) को। गाड़ी संरचनाः वाता. द्वितीय श्रेणी-01, वाता. तृतीय श्रेणी-06, स्लीपर श्रेणी-08, सामान्य श्रेणी-02

गाड़ी सं. 07119/07120 तिरुपति-दानापुर-तिरुपति महाकुंभ मेला विशेष रेलगाड़ी

07119 तिरुपति-दानापुर		स्टेशन	07120 दानापुर-तिरुपति	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	23:45 (मंगल)	तिरुपति	13:45 (रवि.)	--
15:53	15:55	मानिकपुर जं.	23:10	23:12
17:45	17:50	प्रयागराज छिवकी	20:25	20:30
19:03	19:05	मिर्जापुर	19:10	19:12
23:55 (गुरु.)	--	दानापुर	--	15:15 (शुक्र.)

तिरुपति सेः- गाड़ी सं. 07119, दि. 18.02.2025 (मंगलवार) को। दानापुर सेः- गाड़ी सं. 07120, दि. 21.02.2025 (शुक्रवार) को। गाड़ी संरचनाः वाता. प्रथम श्रेणी- 01,वाता. द्वितीय श्रेणी-02, वाता. तृतीय श्रेणी-05,स्लीपर श्रेणी-08,सामान्य श्रेणी-02

नोटः रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुंभ 2025 रेलवे टोल फ्री नं.1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 259/25 FA

उत्तर मध्य रेलवे

सं.आर.एस./मकैनिकल/डिपोट क्लीनिंग/पीआरवाईजे/सीएनबी/24 दिनांकः 05.02.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, कै वै, प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे, द्वारा निम्न लिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं, निविदा बंद होने की तिथि एवं समय तक GeM वेबसाइट पर आमंत्रित की जाती है-

क्र.सं.: 1- GeM बिड संख्याः GEM/2025/B/5908007 Dated-04.02.2025, कार्य का नामः प्रयागराज कोचिंग डिपो और परिसर क्षेत्र की मशीनीकृत/मैन्युअल सफाई का व्यापक कार्य चार वर्षों की अवधि के लिए।

कार्य का अनुमानित लागत (₹ में): ₹ 4,36,54,361 | EMD (₹ में): ₹ 3,68,280

क्र.सं.: 2- GeM बिड संख्याः GEM/2025/B/5908062 Dated-04.02.2025, कार्य का नामः कानपुर कोचिंग डिपो और परिसर क्षेत्र की मशीनीकृत/मैन्युअल सफाई का व्यापक कार्य चार वर्षों की अवधि के लिए।

कार्य का अनुमानित लागत (₹ में): ₹ 4,16,48,032 | EMD (₹ में): ₹ 3,58,240

निविदा सिस्टमः क्र.सं.- 1 एवं 2 के लियेः- दो पैकेट सिस्टम

ई-निविदा प्रपत्र का मूल्यः क्र.सं.- 1 एवं 2 के लियेः- शून्य

कार्य की अवधिः क्र.सं.- 1 एवं 2 के लियेः- 04 वर्ष

GeM वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथिः क्र.सं.- 1 एवं 2 के लियेः- 04.02.2025

निविदा बंद होने की तिथि एवं समयः क्र.सं.- 1 एवं 2 के लियेः- 27.02.2025 को 15:00 बजे

नोटः (1) उपरोक्त ई-निविदाओं की निविदा पुस्तिका के साथ पूरी जानकारी GeM वेबसाइट पर प्रकाशित होने की तिथि से उपलब्ध/अपलोड की जाएगी और वेबसाइट www.GeM.gov.in पर बनी रहेगी, निविदा बंद होने की नियत तिथि तक। (2) उपरोक्त निविदाओं के लिए ई-बोली के अलावा अन्य बोलियां स्वीकार नहीं की जाएंगी। इस उद्देश्य के लिए, विक्रेताओं को खुद को GeM वेबसाइट के साथ पंजीकृत कराना आवश्यक है। (3) संलग्न किए जा रहे दस्तावेज़ पर निविदाकर्ता द्वारा अपने हस्ताक्षर किए जाने चाहिए। (4) सभी निविदाकारों को ई-निविदा प्रपत्र निःशुल्क जारी किए जाएंगे। (5) किसी भी कठिनाई के मामले में GeM की वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्पडेस्क से संपर्क किया जा सकता है। (6) ऑनलाइन ई-निविदा निविदा बंद होने की तिथि एवं समय तक जमा की जा सकती है। (7) जेवी(JV) फर्मों को इस निविदा में भाग लेने की अनुमति है। 248/25 (MG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062